मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर– 342003

दिनांकः 03 मार्च 2015

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	03-03-14	04-03-14	05-03-15	06-03-15	07-03-15
वर्षा (मि.मी.)	0	0	5	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	23	25	27	24	25
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	12	13	13	14	15
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	0	0	2	2	0
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	65	60	59	58	51
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	22	21	23	31	23
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	8	13	11	11	13
हवा की दिशा	दक्षिण–पूर्व	दक्षिण–पूर्व	पूर्व–उत्तर–पूर्व	उत्तर–पूर्व	पूर्व

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

वर्षा की संभावना को देखते हुए जहॉ सरसों की फसल पक गई है तो उसकी कटाई करके सुरक्षित स्थान पर रखें।

मौसम की इस परिस्थिति मे गेहूँ की फसल में मोयला/चेपा कीट का प्रकोप बढ सकता है। इसके नियंत्रण के लिए मोनोक्रोटोफास 1 लीटर या मैलाथियान 1 लीटर दवा प्रति हैक्टर की दर से 500 लीटर पानी मे घोल बनाकर छिड़काव करें।

जीरे की फसल को झुलसा रोग से बचाने के लिए 2 ग्राम मैन्कोजेब दवा का प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

ग्रीष्मकालीन हरे चारे के लिये ज्वार एवं बाजरा की बुवाई करें।

प्याज की फसल को तुलासिता व अंगमारी रोग से बचाने के लिए मैन्कोजेब या जाइनेब 2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।

बैगन एवं टमाटर की फसल में फल एवं तना छेदक लट के नियत्रंण के लिए एसीफेट 75 एस.पी. 1.5 ग्राम प्रति लीटर पानी के हिसाब से छिड़काव कर।

बदलते मौसम में पशुओं में संक्रमण का खतरा बहुत अधिक होता है। अतः इस माह से गर्मी में होने वाले प्रमुख रोगों के प्रति सावधानी रखें।

पशुशाला की नियमित समय पर सफाई करें व बिछावन को सूखा रखें।